

(৫৭৩)

ভাবে ভরা আকাশে ভাবাতীত সকাশে মনের মাধুরী চেলে ঘাই ।
বীণার তন্ত্রীতে প্রাণের সঙ্গীতে তুমি ছাড়া আর কিছু নাই ॥

অনাদি কালের সাথী, নিয়ে চল দ্বিবারাতি দৃতিভরা তব ঢোতনায় ।
অসীমের রূপ রাশি সসীম পরাগে ভাসি মিশাইয়া দাও অজানায় ।
তোমার অনুধ্যানে তোমার অভিধ্যানে, হিয়ায় তোমারে ঘেন পাই ॥

ভূমার পরশ আশে, অগুর মাঝাকাশে সম্বিধ ও জ্ঞানিনী জাগাই ।
রূপ থেকে রূপাতীতে প্রাণভরা প্রেতীতে সীমার সকল রেখা হারাই ॥

(আনন্দমগর, ওড়া জুন, ১৯৮৩)

তাল : কাহারবা

I' O I' O
II পা - পা ধা | পা - মা গা | সা রা গা রা | সা - - - - |
ভা বে ভ রা আ ০ কা শে ভা বা তী ত স ০ কা শে
I সা - রা - | রা গা রা সা | সা গা রা মা | গা - - - |
ম নে র মা ধু রী চে লে যা ০ ০ ০ ই ০ ০ ০
I পা - া ধা | পা - মা গা | সা রা রা গা | রা - সা - |
বী ণা ০ র ত ০ স্ত্রী তে প্রাণে ০ র স ০ স্ত্রী তে
I সা রা - - | রা গা রা সা | সা গা রা মা | গা - - - II
তু মি ছা ড়া আ র কি ছু না ০ ০ ০ ই ০ ০ ০
মনের ঘাই ॥

II পা - - ধা | পা - মা গা | সা রা গা রা | সা - - - - |
অ না দি কা লে র সা থী নি যে চ ল দি বা রা তি
I সা রা - - | রা গা রা সা | গা - - - | - - - - |
ছা তি ভ রা ত ব ঢো ত না ০ ০ য ০ ০ ০ ০ ০
I পা - পা ধা | পা - মা গা | সা রা গা রা | সা - - - - |
অ সী মে র রূ প রা শি স সী ম প রা গে ভা সি

I सा रा -ा -ा | रा गा रा सा | गा -ा -ा | -ा -ा -ा -ा |
 मि शा इ या दा ओ अ जा ना ० ० ० य ० ० ० ०
 I पा -ा पा धा | पा -ा मा गा | सा रा गा रा | सा -ा -ा -ा |
 तो मा र अ इ ० ध्या ने तो मा रि अ भि ० ध्या ने
 I सा रा -ा -ा | रा गा रा सा | सा गा रा मा | गा -ा -ा -ा II
 हि या य तो मा रे ये न पा ० ० ० इ ० ० ०
 मनेर याइ ॥

II पा -ा -ा धा | पा -ा मा गा | सा रा गा रा | सा -ा -ा -ा |
 भु मा र प र श आ शे अ इ र मा या ० का शे
 I सा रा -ा -ा | रा गा रा सा | सा गा रा मा | गा -ा -ा -ा |
 स स्थि ९ ओ छ्ला दि मी जा गा ० ० ० इ ० ० ०
 I पा -ा -ा धा | पा -ा मा गा | सा रा गा रा | सा -ा -ा -ा |
 रु प थे के रु पा ती ते एग भ रा ऐ ० ती ते
 I सा रा -ा -ा | रा गा रा सा | सा गा रा मा | गा -ा -ा -ा III
 सी मा र स क ल रे खा हा ० रा ० इ ० ० ०
 मनेर याइ ॥